तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 34/2017)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2017

(www.trai.gov.in)

28 फरवरी, 2017 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य बातें

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1164.20**	**24.35**	**1188.55**
फरवरी, 2017 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	13.75	0.003	13.75
मासिक वृद्धि दर	1.19%	0.01%	1.17%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**671.63**	**20.52**	**692.15**
फरवरी, 2017 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	11.00	0.01	11.01
मासिक वृद्धि दर	1.66%	0.05%	1.62%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**492.57**	**3.83**	**496.39**
फरवरी, 2017 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.75	-0.01	2.74
मासिक वृद्धि दर	0.56%	-0.16%	0.56%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**90.70**	**1.90**	**92.59**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	166.77	5.10	171.86
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	55.92	0.43	56.35
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	57.69%	84.29%	58.24%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	42.31%	15.71%	41.76%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**243.13**	**18.18**	**261.31**

- फरवरी, 2017 के माह में 5.67 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से, जनवरी, 2017 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 261.06 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2017 के अंत तक 266.73 मिलियन हो गया।

- फरवरी, 2017 के अंत तक सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1,010.63 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक के कार्यालय तथा भारतीय जनगणना आयुक्त द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- जनवरी, 2017 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,174.80 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2017 के अंत तक 1,188.55 हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 1.17 प्रतिशत रही। जनवरी, 2016 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 681.15 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2017 के अंत तक 692.15 मिलियन हो गई तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 493.65 मिलियन से बढ़कर 496.39 मिलियन हो गई। फरवरी, 2017 के माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 1.62 प्रतिशत तथा 0.56 प्रतिशत रही।

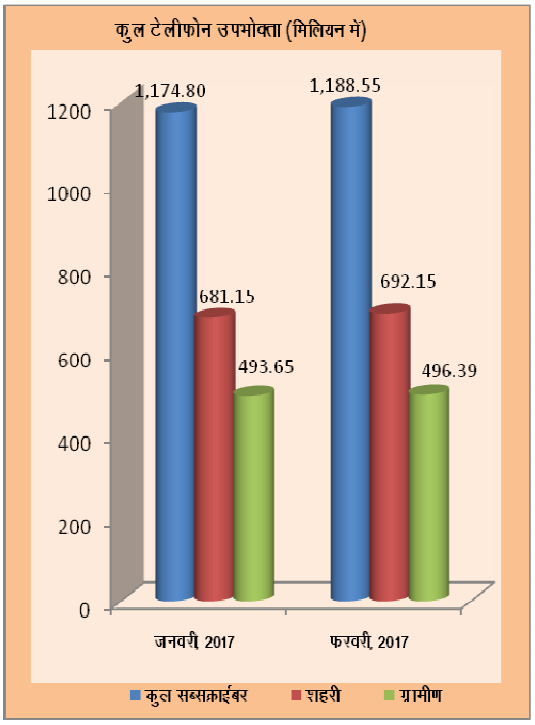

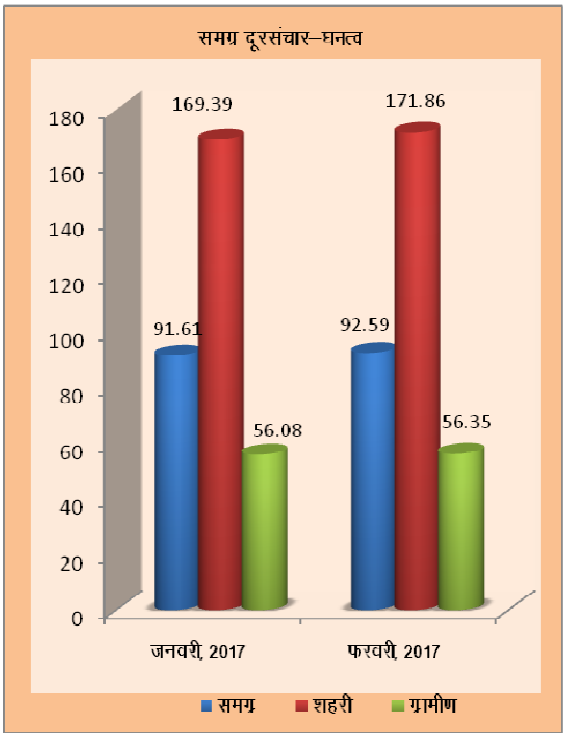

- जनवरी, 2017 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 91.61 से बढ़कर फरवरी, 2017 के अंत तक 92.59 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व जनवरी, 2017 के अंत तक 169.39 से बढ़कर फरवरी, 2017 के अंत तक 171.86 हो गया जबकि ग्रामीण दूरसंचार घनत्व जनवरी, 2017 के अंत तक 56.08 से बढ़कर फरवरी, 2017 के अंत तक 56.35 हो गया। फरवरी, 2017 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 58.24 प्रतिशत तथा 41.76 प्रतिशत थी।

दिनांक 28 फरवरी, 2017 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

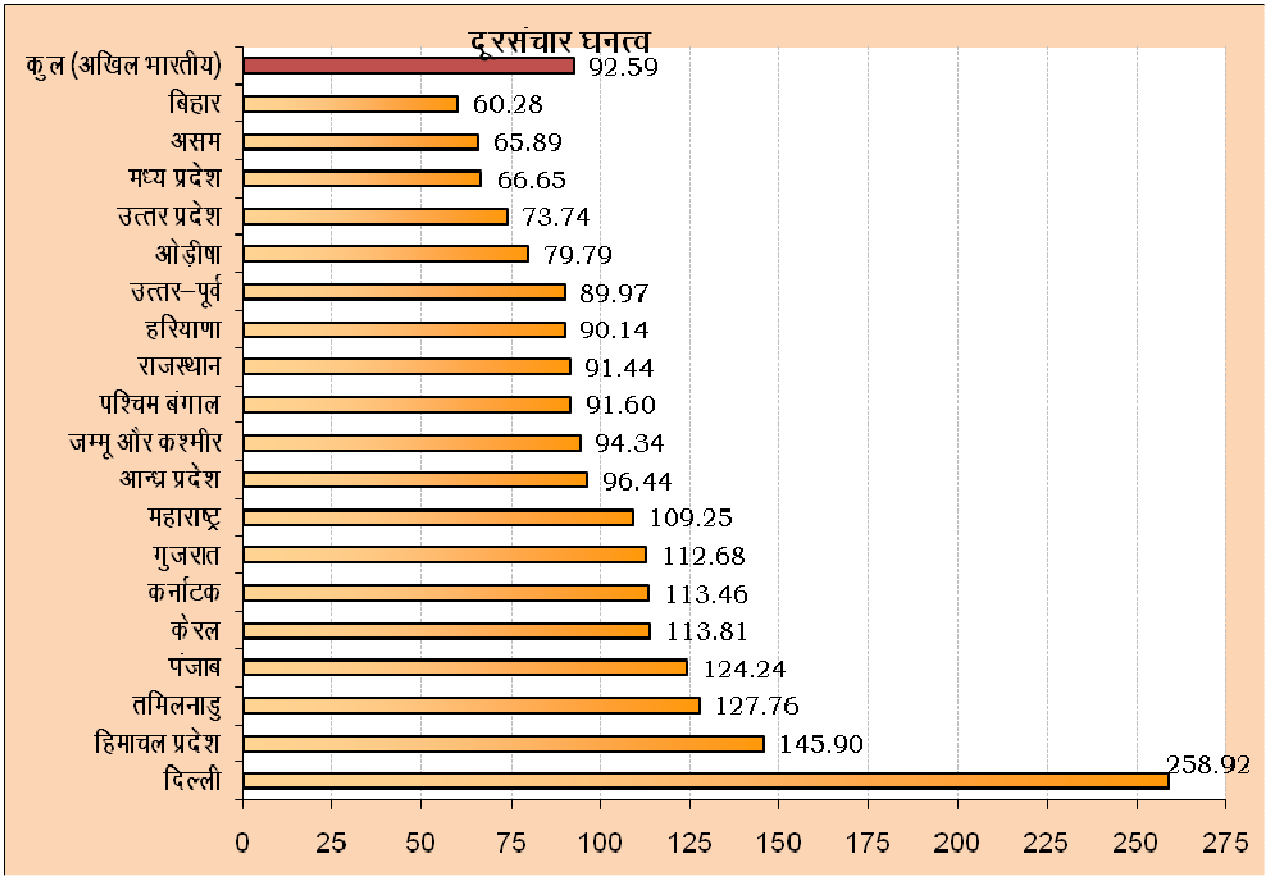

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मनिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

फरवरी, 2017 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	फरवरी, 2017 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 28 फरवरी, 2017 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	7,290	4,081,417	9,599,519	406,843,434
श्रेणी – ख	-13,153	6,045,044	6,459,523	464,852,918
श्रेणी – ग	-759	1,450,406	1,164,660	173,426,087
महानगर	9,981	2,170,283	7,123,011	119,077,779
अखिल भारतीय	**3,359**	**13,747,150**	**24,346,713**	**1,164,200,218**

फरवरी, 2017 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जनवरी, 2017 से फरवरी, 2017 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (फरवरी, 2016 से फरवरी, 2017 तक)	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	0.08	1.01	-4.07	12.09
श्रेणी – ख	-0.20	1.32	-5.89	13.49
श्रेणी – ग	-0.07	0.84	-5.12	16.02
महानगर	0.14	1.86	0.07	13.84
अखिल भारतीय	**0.01**	**1.19**	**-3.44**	**13.40**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि फरवरी, 2017 के दौरान वायरलैस क्षेत्र में, श्रेणी 'ख' के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि हुई है। हालांकि इसी दौरान महानगर सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में, फरवरी, 2017 के दौरान श्रेणी 'क' एवं महानगर सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि इसी दौरान श्रेणी 'ख' एवं श्रेणी 'ग' सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर दर्ज की गई है।

III. वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता

- जनवरी, 2017 के अंत तक कुल वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,150.45 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2017 के अंत तक 1,164.20 मिलियन हो गई तथा मासिक वृद्धि दर 1.19 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी, 2017 के अंत तक 660.63 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2017 के अंत तक 671.63 मिलियन हो गई तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या 489.82 मिलियन से बढ़कर 492.57 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 1.66 प्रतिशत तथा 0.56 प्रतिशत रही।

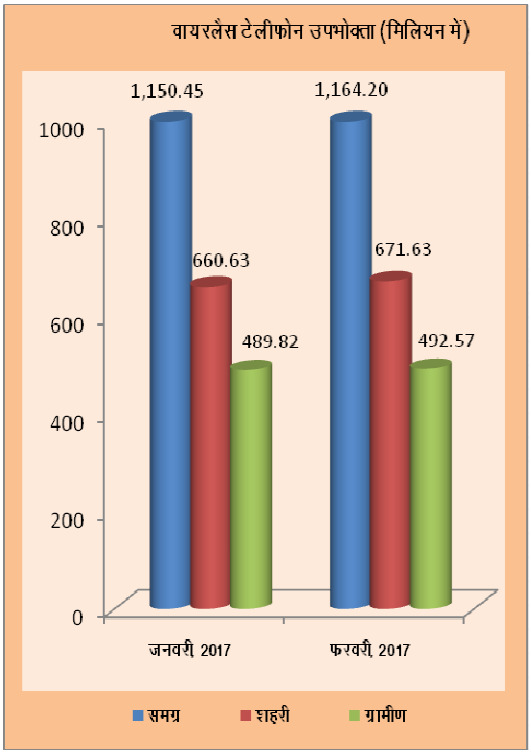

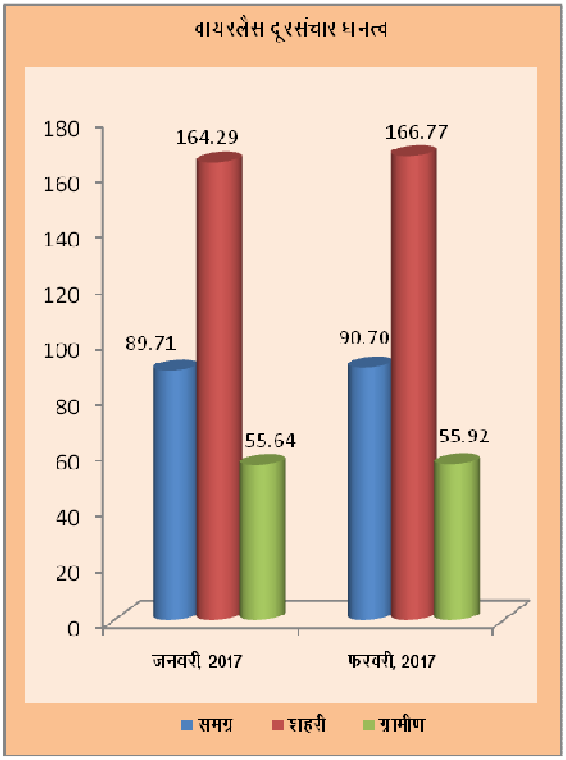

- जनवरी, 2017 के अंत तक वायरलैस दूरसंचार घनत्व 89.71 से बढ़कर फरवरी, 2017 के अंत तक 90.70 हो गया। शहरी क्षेत्रों में फरवरी, 2017 के अंत में वायरलैस दूरसंचार घनत्व 164.29 से बढ़कर 166.77 हो गया तथा ग्रामीण वायरलैस दूरसंचार घनत्व 55.64 से बढ़कर 55.92 हो गया। फरवरी, 2017 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 57.69 प्रतिशत तथा 42.31 प्रतिशत थी। वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 28 फरवरी, 2017 की स्थिति के अनुसार, निजी टेलिफोन सेवा प्रदाताओं के पास वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का 91.19 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 8.81 प्रतिशत बाजार की हिस्सेदारी थी। वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 28 फरवरी, 2017 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

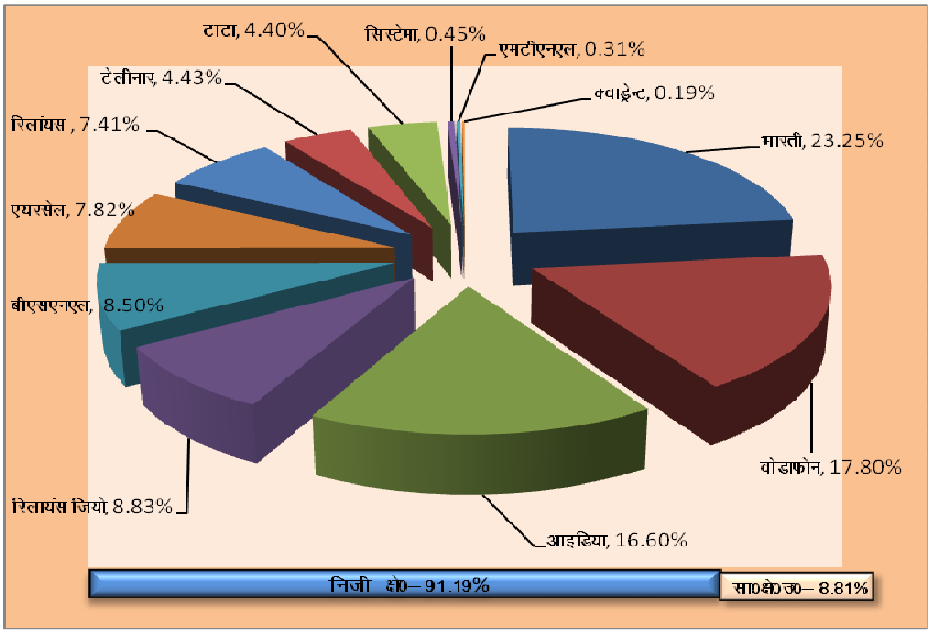

फरवरी, 2017 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

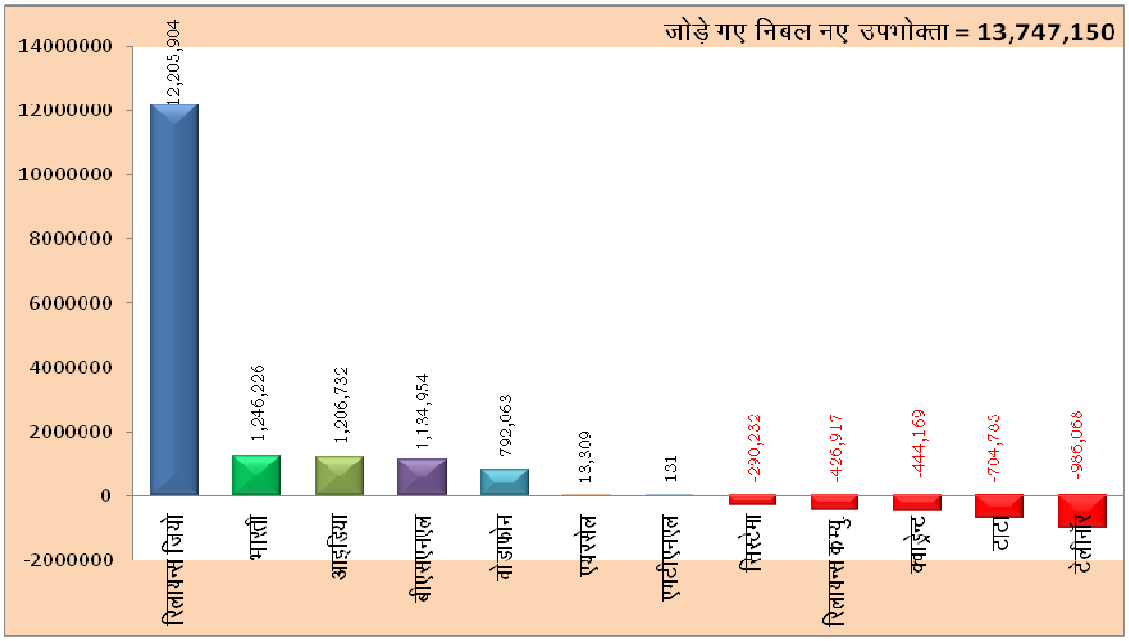

IV. सक्रिय वायरलैस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- फरवरी, 2017 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,164.20 मिलियन) में से 1,010.63 मिलियन वायरलैस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 86.81 प्रतिशत था।

- फरवरी, 2017 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक–II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक– IV** में उपलब्ध है।

फरवरी, 2017 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

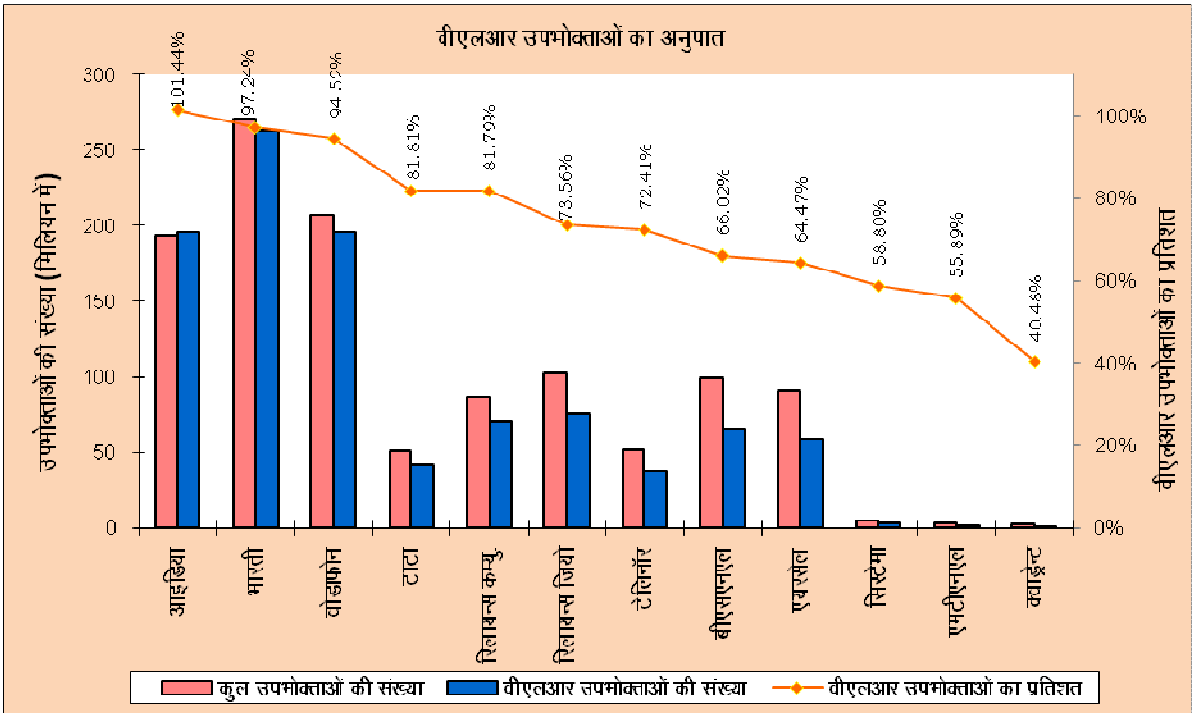

नोट : आइडिया सेल्युलर के नेटवर्क पर इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण उनके वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में अधिक रही।

फरवरी, 2017 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

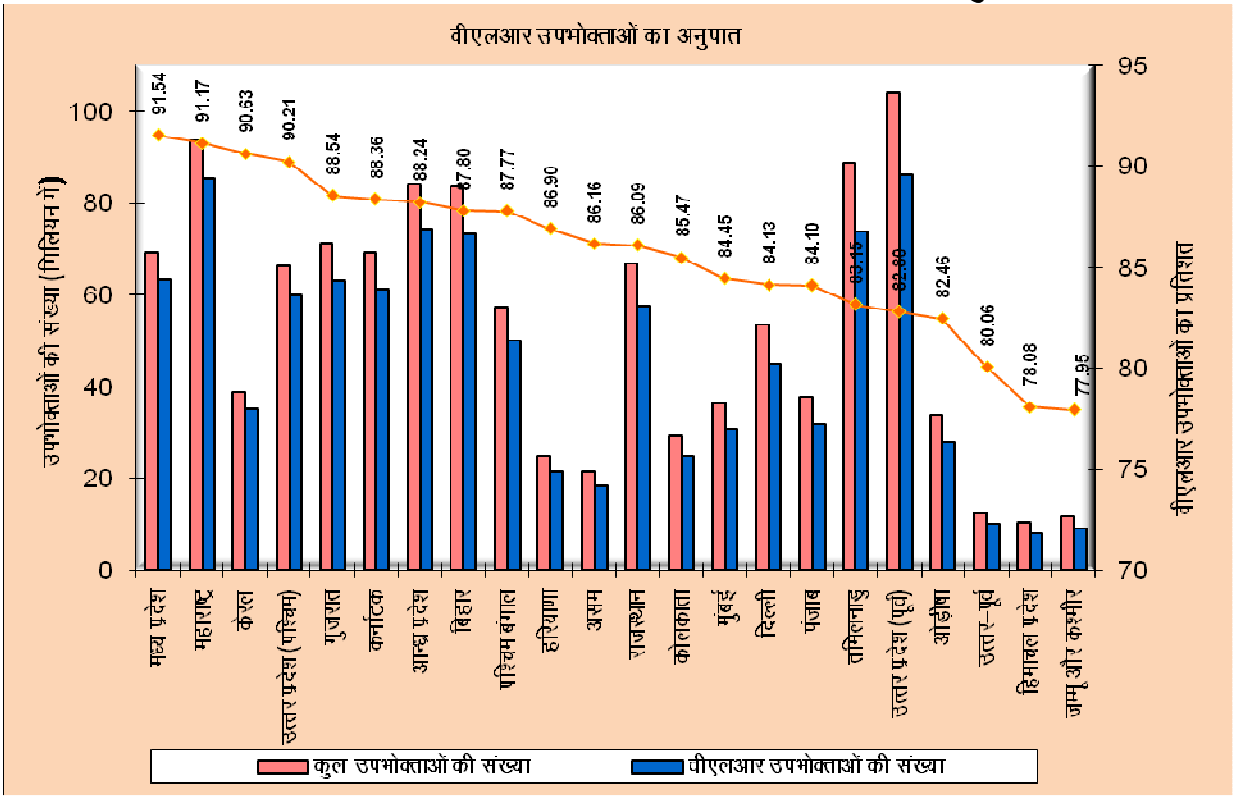

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

फरवरी, 2017 माह के दौरान एक्सेस सेवा–प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

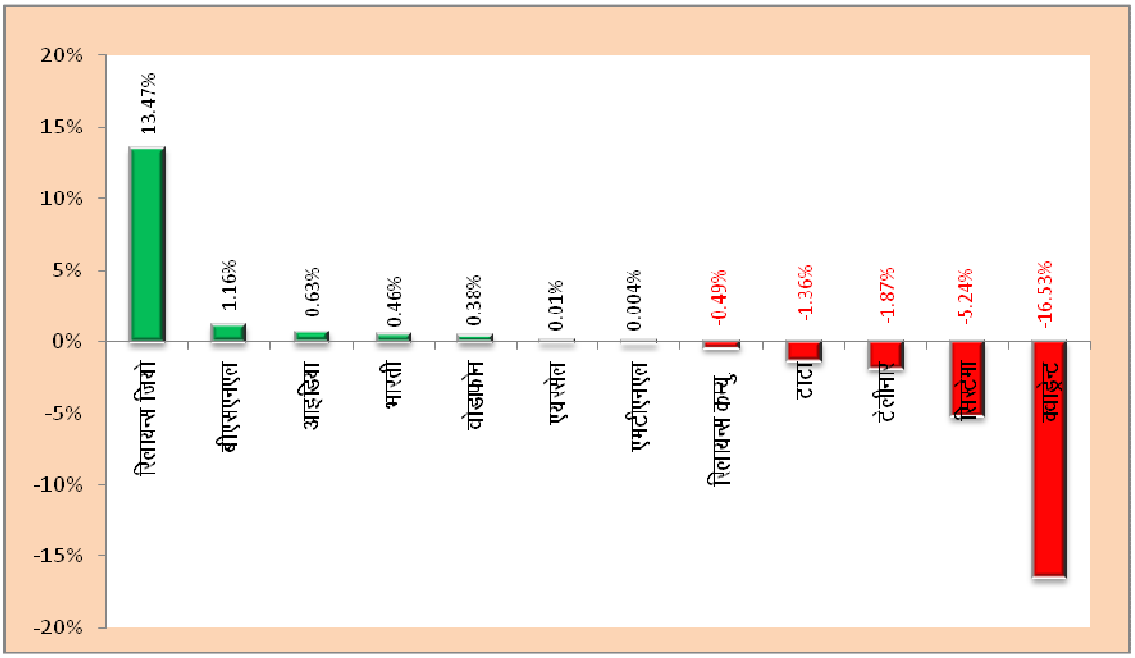

फरवरी, 2017 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

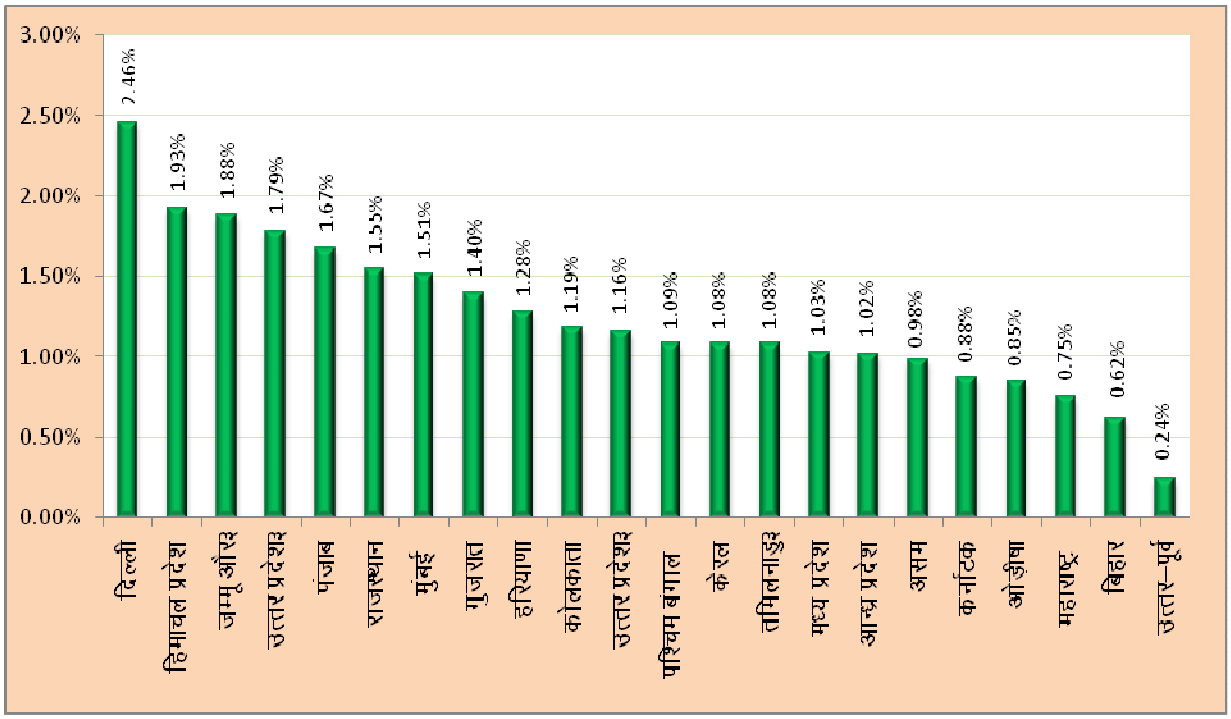

- फरवरी, 2017 के माह के दौरान सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान दिल्ली सेवा क्षेत्र में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- फरवरी, 2017 के माह में कुल 5.67 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथी से, संचयी एमएनपी अनुरोध जनवरी, 2017 के अंत तक 261.06 मिलियन की तुलना में बढ़कर फरवरी, 2017 के अंत तक 266.73 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 22.49 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद गुजरात में (लगभग 19.17 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 29.42 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 24.18 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

फरवरी, 2017 के अंत तक सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध			
जोन–।		जोन–।।	
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या
दिल्ली	11403388	आन्ध्र प्रदेश	24175011
गुजरात	19172802	असम	1362633
हरियाणा	10566664	बिहार	9967586
हिमाचल प्रदेश	954256	कर्नाटक	29415185
जम्मू और कश्मीर	113611	केरल	7415614
महाराष्ट्र	18180413	कोलकाता	5586775
मुंबई	14788501	मध्य प्रदेश	18487093
पंजाब	10472299	उत्तर–पूर्व	520390
राजस्थान	22494838	ओड़ीशा	5348130
उत्तर प्रदेश–पूर्व	13303275	तमिलनाडु	16393884
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	12047267	पश्चिम बंगाल	14562498
कुल	**133,497,314**	कुल	**133,234,799**
कुल (जोन–। + जोन–।।)			**266,732,113**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (फरवरी, 2017 माह में)			**5,672,509**

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी, 2017 के अंत तक 24.34 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2017 के अंत तक 24.35 मिलियन हो गया। फरवरी, 2017 माह में 0.01 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.003 मिलियन की निवल वृद्धि हुई। फरवरी, 2017 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 84.29 प्रतिशत तथा 15.71 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व फरवरी, 2017 के अंत में 1.90 अर्थात जनवरी, 2017 के जैसा ही रहा। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 5.10 तथा 0.43 रहा।

- दो सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 70.29 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक–III** में उपलब्ध हैं।

- फरवरी, 2017 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 28 फरवरी, 2017 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

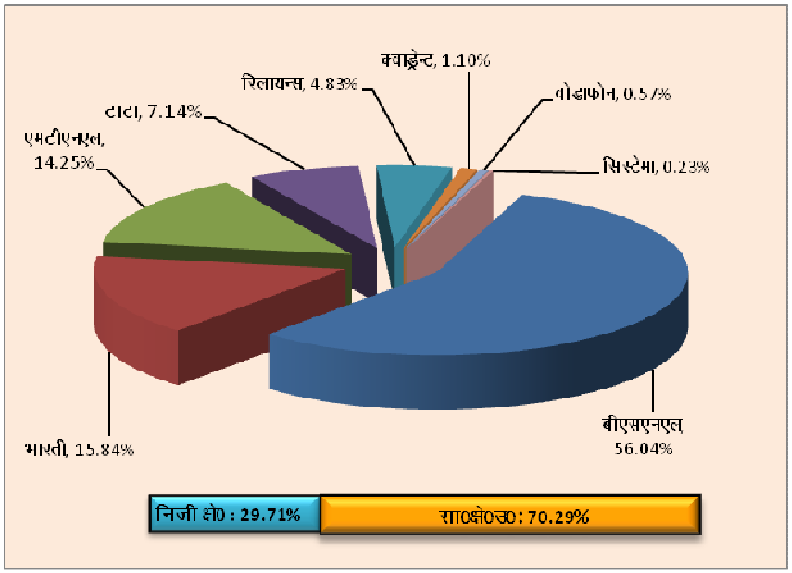

फरवरी, 2017 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

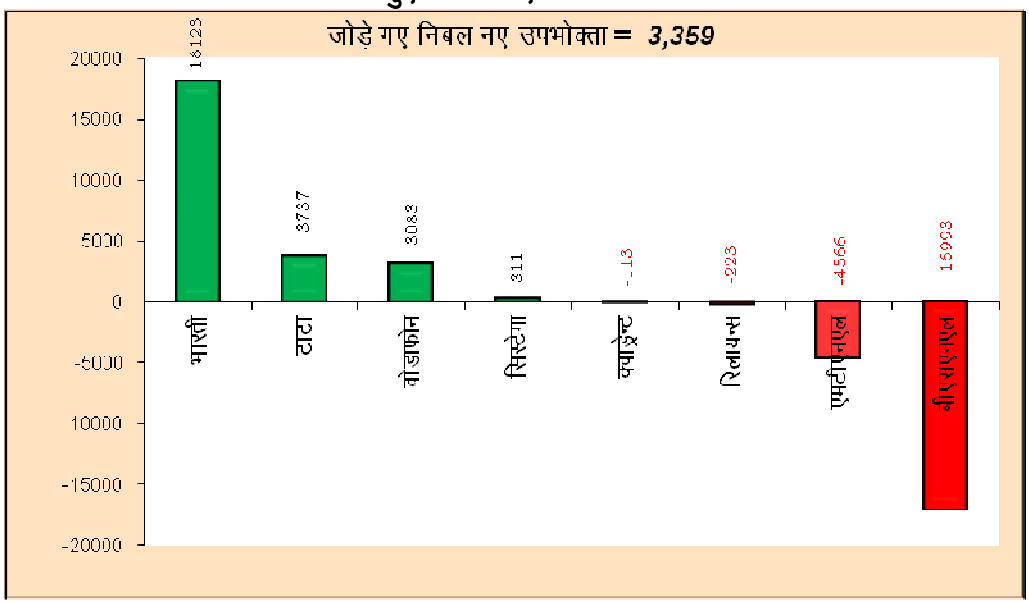

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी, 2017 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 253.75 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2017 के अंत में 261.31 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 2.98 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

फरवरी, 2017 माह में ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		फरवरी, 2017 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 जनवरी, 2017 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 28 फरवरी, 2017 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन उपभोक्ताओं की संख्या	18.10	18.18	0.39%
मोबाइल उपकरण उपयोगकर्ता (फोन तथा डॉन्गल)	235.07	242.57	3.19%
फिक्सड वायरलैस उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.58	0.57	-1.12%
कुल	**253.75**	**261.31**	**2.98%**

- फरवरी, 2017 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 86.76 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (102.84 मिलियन), भारती एयरटेल (46.69 मिलियन), वोडाफोन (32.06 मिलियन), आइडिया सेल्युलर (24.31 मिलियन) तथा बीएसएनएल (20.81 मिलियन) थे।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन आगे किया गया है:

दिनांक 28.02.2017 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

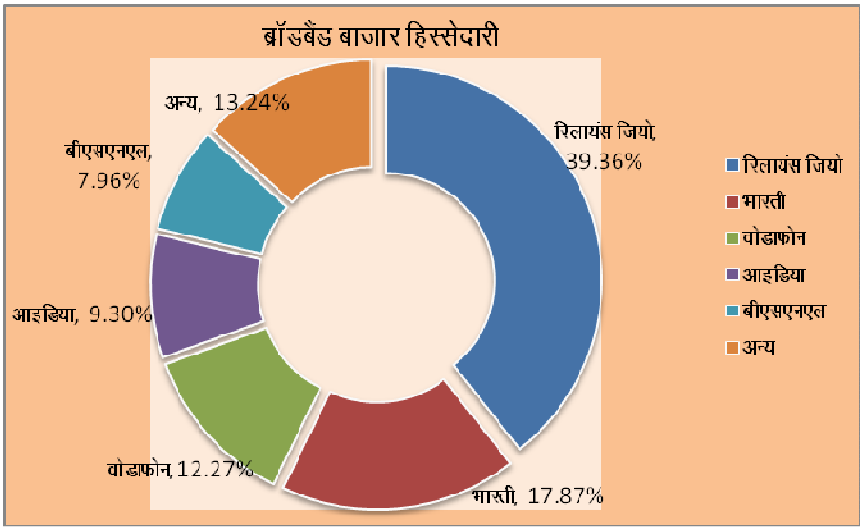

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- दिनांक 28 फरवरी, 2017 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.95 मिलियन), भारती एयरटेल (2.07 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.14 मिलियन), एमटीएनएल (1.03 मिलियन) तथा यू–ब्रॉडबैंड इंडिया प्रा0 लि0 (0.62 मिलियन) थे।

- दिनांक 28 फरवरी, 2017 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलैस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (102.84 मिलियन), भारती एयरटेल (44.62 मिलियन), वोडाफोन (32.05 मिलियन), आइडिया सेल्युलर (24.31 मिलियन) तथा रिलायंस कम्यूनिकेशन्स (14.04 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्रीमती विनोद कोतवाल, सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110 002
फोन–011–2323 0752
फैक्स–011–2323 6650
ई–मेलः advfea1@trai.gov.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(विनोद कोतवाल)
सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह											
	भारती		रिलायन्स		वोडाफोन		टाटा		आइडिया		एयरसेल	
	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017
आन्ध्र प्रदेश	25349888	25350900	3745288	3757610	6947827	6920655	3923807	3867812	17474485	17496332	2547676	2593866
असम	6345353	6379734	1232121	1145762	3923211	3956464			1310720	1330851	5814988	5807277
बिहार	30485905	30487219	3219896	3256542	9771545	9603217	1443416	1425158	12098042	12354378	7466488	7554303
दिल्ली	11483091	11590370	5779544	5999188	10576153	10642941	1528706	1591722	6445041	6465245	6749177	6830343
गुजरात	8955933	9045978	5940153	5778199	19909407	19923817	2554385	2551441	12832591	13014605	17063	17063
हरियाणा	3420024	3430338	1576895	1510376	5931783	6004148	2575783	2532130	5023361	5046351	3092	3092
हिमाचल प्रदेश	2935910	2945760	1583443	1587728	733437	725787	49905	48143	797026	805297	1125928	1121747
जम्मू और कश्मीर	3529511	3560866	915167	863666	986262	980545			640768	679116	2904458	2947876
कर्नाटक	22204342	22205227	5343716	5329344	7959195	7848321	6619594	6589124	9652409	9575818	3371034	3393786
केरल	4542675	4543147	1452852	1418997	7695803	7673321	1355867	1329905	10977843	10972529	379763	379835
कोलकाता	4947767	4967599	4317121	4194693	5621531	5656444	2549426	2529159	2585303	2595876	4290604	4390545
मध्य प्रदेश	13860937	13895358	9528120	9529830	6770743	6788067	4357333	4296583	23824717	23797344	20694	20694
महाराष्ट्र	14331444	14382498	4392411	4160891	19068159	19102263	5586633	5455944	25899372	26104199	2787271	2774738
मुंबई	6318238	6382756	4865177	4877394	9009290	9012152	2768781	2750048	4457207	4432118	2980747	2923667
उत्तर–पूर्व	4155104	4167907	303544	273230	1581189	1586453			636306	623779	3486866	3434000
ओड़ीशा	11234287	11307773	2103448	2188067	4469490	4466564	1958320	1906541	2057315	2039436	4652863	4605849
पंजाब	8632894	8761053	1704289	1671225	5295631	5450023	2422658	2392372	6687822	6982188	1148597	1149015
राजस्थान	20594022	20856003	5883306	5875858	12044303	12156346	1264939	1165209	8186434	8286342	6653053	6666458
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	18266477	18289999	5436196	5456614	16483231	16305205	4034071	3997716	6319091	6171105	21519012	21426525
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	23005582	23240766	8375203	8375127	19935364	20221740	3541693	3449030	11827417	11996510	7194323	7040268
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	8925701	8927008	5468288	5492685	12176248	12410968	3035166	2996345	16024487	16189835	852409	860287
पश्चिम बंगाल	15877336	15930388	3532682	3528917	19546610	19793034	359693	351011	6305242	6310477	5074199	5112380
कुल	**269402421**	**270648647**	**86698860**	**86271943**	**206436412**	**207228475**	**51930176**	**51225393**	**192062999**	**193269731**	**91040305**	**91053614**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		1246226		-426917		792063		-704783		1206732		13309

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1 (निरंतर)

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह													
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		टेलीनॉर		सिस्टेमा		क्वाड्रेन्ट		रिलायंस जियो		कुल	
	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017
आन्ध्र प्रदेश	9824079	9858720			5621712	5485240					7953577	8908009	**83388339**	**84239144**
असम	1426433	1451738									1199602	1389521	**21252428**	**21461347**
बिहार	3991403	3967381			9590910	9308364					4966741	5594541	**83034346**	**83551103**
दिल्ली			2327655	2327347			622550	571655			6674682	7452729	**52186599**	**53471540**
गुजरात	4448427	4591955			8491791	8434173	145754	135566			6840540	7624803	**70136044**	**71117600**
हरियाणा	3602252	3621256									2328597	2626266	**24461787**	**24773957**
हिमाचल प्रदेश	2029642	2073746									833774	975527	**10089065**	**10283735**
जम्मू और कश्मीर	1466858	1480035									1042560	1189709	**11485584**	**11701813**
कर्नाटक	6840478	6880744					804912	760331			5763806	6578004	**68559486**	**69160699**
केरल	8796973	8899336					246493	240546			2948676	3354902	**38396945**	**38812518**
कोलकाता	879611	915381					415539	400144			3171384	3470533	**28778286**	**29120374**
मध्य प्रदेश	4968329	4994116									5017974	5728777	**68348847**	**69050769**
महाराष्ट्र	6374428	6431910			8083817	7951509					6335089	7192705	**92858624**	**93556657**
मुंबई			1299248	1299687							4243923	4808043	**35942611**	**36485865**
उत्तर–पूर्व	1651858	1658883									715101	815611	**12529968**	**12559863**
ओड़ीशा	4880234	4929693									2228333	2424303	**33584290**	**33868226**
पंजाब	4485177	4479009							2686895	2242726	4097657	4656222	**37161620**	**37783833**
राजस्थान	5278568	5381117					1510071	1398394			4425036	5071640	**65839732**	**66857367**
तमिलनाडु(चेन्नई सहित)	8899617	9030644					542598	528230			6319231	7563296	**87819524**	**88769334**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	10721986	10935952			12389420	12108247					5748048	6566214	**102739036**	**103933854**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	5440453	5601731			8437286	8341335	110540	101337			4792758	5507620	**65263336**	**66429151**
पश्चिम बंगाल	1770070	1728483					1142694	1114716			2988045	3342063	**56596571**	**57211469**
कुल	**97776876**	**98911830**	**3626903**	**3627034**	**52614936**	**51628868**	**5541151**	**5250919**	**2686895**	**2242726**	**90635134**	**102841038**	**1150453068**	**1164200218**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		1134954		131		-986068		-290232		-444169		12205904		**13747150**

अनुलग्नक–II

फरवरी, 2017 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	एयरसेल	भारती	बीएसएनएल	क्वाड्रेन्ट	आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	सिस्टेमा	टाटा	टेलीनॉर	वोडाफोन	कुल
आन्ध्र प्रदेश	59.02	98.59	73.47		100.84		88.97	69.88		89.79	72.25	85.46	88.24
असम	80.81	97.15	77.12		99.27		4.84	80.50				100.73	86.16
बिहार	79.73	97.41	64.46		99.47		6.25	78.19		72.79	75.34	105.87	87.80
दिल्ली	57.81	94.09			103.27	48.98	89.83	71.08	48.09	58.69		97.90	84.13
गुजरात	2726.68	95.85	63.74		103.88		93.23	76.15	45.87	71.89	66.41	93.82	88.54
हरियाणा	0.39	95.62	55.63		101.92		95.55	74.49		83.90		92.70	86.90
हिमाचल प्रदेश	44.74	86.52	62.74		107.54		96.05	67.05		24.24		85.66	78.08
जम्मू और कश्मीर	68.59	92.08	69.39		96.88		51.34	71.08				86.37	77.95
कर्नाटक	52.41	98.62	64.42		99.16		90.33	77.24	60.75	88.98		92.79	88.36
केरल	62.46	95.88	74.66		104.38		93.70	78.93	49.01	88.31		94.00	90.63
कोलकाता	62.18	95.28	88.67		93.06		97.26	64.58	65.79	88.22		95.16	85.47
मध्य प्रदेश	0.96	96.99	68.68		103.78		91.56	72.24		79.11		78.69	91.54
महाराष्ट्र	47.88	100.22	68.43		102.34		92.21	84.55		82.49	70.95	96.18	91.17
मुंबई	52.93	95.39			91.63	68.27	89.85	65.81		80.39		94.01	84.45
उत्तर–पूर्व	61.64	98.71	66.85		96.80		5.35	75.86				93.20	80.06
ओड़ीशा	59.09	100.82	72.35		101.15		6.37	73.93		81.79		104.94	82.46
पंजाब	56.29	99.38	64.31	40.48	101.22		92.82	71.61		76.44		89.05	84.10
राजस्थान	49.81	94.67	63.37		100.39		92.60	76.88	58.87	126.87		91.48	86.09
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	65.92	95.39	68.51		101.01		94.00	74.40	54.42	73.10		97.23	83.15
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	65.46	98.61	53.08		103.39		93.07	73.26		80.08	50.79	93.01	82.80
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	84.87	98.47	53.50		98.35		94.11	64.33	45.53	78.24	108.06	91.60	90.21
पश्चिम बंगाल	70.97	97.37	83.00		102.86		10.35	71.68	67.31	62.41		98.12	87.77
कुल	64.47	97.24	66.02	40.48	101.44	55.89	81.79	73.56	58.80	81.81	72.41	94.52	86.81

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों के अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन सब्सक्राईबर आधार

अनुलग्नक–III

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती		रिलायन्स		टाटा		क्वाड्रेन्ट		सिस्टेमा		वोडाफोन		कुल	
	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017
आन्ध्र प्रदेश	1206933	1205999			159727	160955	75575	75539	171251	171724					11250	12180	**1624736**	**1626397**
असम	154112	153679													2190	2190	**156302**	**155869**
बिहार	294314	294074					6,367	6,367	12476	12430					1320	1530	**314477**	**314401**
दिल्ली			1606732	1604299	1269629	1281030	173769	173205	135393	135039					28170	29100	**3213693**	**3222673**
गुजरात	1101149	1102310			76170	76330	72806	72728	88044	88140					7260	7860	**1345429**	**1347368**
हरियाणा	282,426	281,713			22915	22936	4014	4014	36571	36564							**345926**	**345227**
हिमाचल प्रदेश	143,829	142,888					3924	3924	2553	2580					30	60	**150336**	**149452**
जम्मू और कश्मीर	133,432	133,716															**133432**	**133716**
कर्नाटक	1212060	1209209			618592	619815	156265	156679	209555	209347					23280	23250	**2219752**	**2218300**
केरल	1999011	1997027			57959	58251	33036	32995	18767	18935					1650	1650	**2110423**	**2108858**
कोलकाता	616277	614998			120671	120785	69124	69117	49590	49329					5490	5520	**861152**	**859749**
मध्य प्रदेश	721056	719580			273038	273050	19705	19688	16231	16310					420	420	**1030450**	**1029048**
महाराष्ट्र	1414977	1415313			77841	78479	81985	81883	282817	283721					13671	13815	**1871291**	**1873211**
मुंबई			1866977	1864844	354981	356483	256950	257333	537148	539681					22129	22248	**3038185**	**3040589**
उत्तर–पूर्व	121179	120970													150	180	**121329**	**121150**
ओड़ीषा	276982	277492					3281	3281	8170	8129					1110	1170	**289543**	**290072**
पंजाब	595235	591175			119870	119882	20740	20653	16053	16230	267845	267732			1050	1050	**1020793**	**1016722**
राजस्थान	602361	600056			48525	48556	19781	19737	11563	11292			56629	56940	2400	2400	**741259**	**738981**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1725418	1726181			552086	553540	133924	133906	109033	109966					10560	10650	**2531021**	**2534243**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	379850	379859			63960	63978	34737	34711	15416	15165					1440	1380	**495403**	**495093**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	357188	355921			23143	23160	7102	7102	9862	9671					1110	1110	**398405**	**396964**
पश्चिम बंगाल	324093	322729					2048	2048	3816	3793					60	60	**330017**	**328630**
कुल	**13661882**	**13644889**	**3473709**	**3469143**	**3839107**	**3857230**	**1175133**	**1174910**	**1734309**	**1738046**	**267845**	**267732**	**56629**	**56940**	**134740**	**137823**	**24343354**	**24346713**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-16993		-4566		18123		-223		3737		-113		311		3083		3359

अनुलग्नक–IV

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने

फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———